हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

कोर्स कोड		एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (24)
			CIE	ETE	
HIN-501	Core	प्राचीनकाव्य	25	75	5 Credits
HIN -502	Core	भक्तिकाव्य	25	75	5 Credits
HIN -503	Core	रीतिकाव्य	25	75	5 Credits
HIN -504	Core	आधुनिक गद्य (निबंध एवं नाटक)	25	75	5 Credits
HIN -531	Core	लघु शोध प्रबन्ध	100		4 Credits

There is:

ICE: Internal Continuous Evaluation

ETE: End-Term Examination

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

कोर्स कोड		एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (24)
			CIE	ETE	
HIN-506	Core	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	25	75	5 Credits
HIN -507	Core	भारतीय काव्यशास्त्र	25	75	5 Credits
HIN -508	Core	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	25	75	5 Credits
HIN -509	Core	भारतीय साहित्य का स्वरूप	25	75	5 Credits
HIN -532	Core	लघु शोध प्रबन्ध	100		4 Credits

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

कोर्स कोड		एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (24)
			CIE	ETE	
HIN-601	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)	25	75	5 Credits
HIN -602	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)	25	75	5 Credits
HIN -603	Core	भाषा विज्ञान	25	75	5 Credits
HIN -604	Core	हिन्दी : भाषा एवं लिपि	25	75	5 Credits
HIN -631	Core	लघु शोध प्रबन्ध	100		4 Credits

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

कोर्स कोड		एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (24)
			CIE	ETE	
HIN-606	Core	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	25	75	5 Credits
HIN -607	Core	छायावादोत्तर काव्य	25	75	5 Credits
HIN -651 HIN -652 HIN -653 HIN -654 HIN -655	वैकल्पिक	कबीरदास अथवा जायसी अथवा सूरदास अथवा तुलसीदास अथवा हिन्दी पत्रकारिता	25	75	5 Credits
HIN -608	Core	निबन्ध : साहित्यिक/साहित्येतर	25	75	5 Credits
HIN -632	Core	लघु शोध प्रबन्ध	100		4 Credits
नोट : वैकल्पिक – (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)					

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन काव्य

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. चन्दवरदाई : पृथ्वीराज रासो का एक समय – कयमास वध – सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति : पद – 1, 2, 7, 9, 11, 13, 17, 19, 20, 21, 23, 29, 33, 41, 46, 47, 48, 49, 75 (20 पद) विद्यापति संचयन – सं0 डॉ0 लालसा यादव
3. अमीर खुसरो : चयनित दोहा (आरम्भ से 10)

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह
सम्पादक :

1. प्रो0 दिनेश कुशवाहा, आचार्य, हिन्दी विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा
2. डॉ0 विमलेश मिश्र, आचार्य, हिन्दी विभाग, दी0द0उ0, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3. डॉ0 रेखा श्रीवास्तव, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी पी0जी0 कालेज, फतेहपुर

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ0 नामवर सिंह
3. कीर्तिलता और अवहट्ट : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
4. विद्यापति : डॉ0 आनन्दप्रकाश दीक्षित
5. विद्यापति : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
6. विद्यापति : व्यक्ति और कवि : डॉ0 रामसजन पाण्डेय
7. विद्यापति का सौन्दर्यबोध : डॉ0 रामसजन पाण्डेय
8. महाकवि विद्यापति : डॉ0 जयनाथ नलिन
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं0) डॉ0 नगेन्द्र

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र – भक्ति काव्य

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

1. कबीरदास : कबीर–ग्रन्थावली (सम्पादकःश्यामसुन्दर दास) विभिन्न अंगों से संकलित 25 साखियाँ तथा 10 पद।
2. जायसी : 'पदमावत' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड
3. सूरदास : 'सूरसागर' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) आरम्भ से 10 पद
4. तुलसीदास : 'विनयपत्रिका' (गीता प्रेस) आरम्भ से 25 पद

पाठ्यपुस्तक : भक्तिकाव्य संग्रह
सम्पादक :

1. प्रो0 सदानन्द शाही, आचार्य, हिन्दी विभाग, बी0एच0यू0, वाराणसी।
2. प्रो0 पवन अग्रवाल, आचार्य, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
3. डॉ0 प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव पी0जी0 कालेज, बभनान, गोण्डा

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. मध्ययुगीन काव्यसाधना	:	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय	:	डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
3. कबीर	:	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर–मीमांसा	:	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
5. कबीर–साहित्य की परख	:	परशुराम चतुर्वेदी
6. कबीर की विचारधारा	:	डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
7. कबीर और जायसी	:	डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
8. पदमावत का काव्य सौन्दर्य	:	डा0 शिव सहाय पाठक
9. जायसी	:	डॉ0 विजयदेव नारायण साही
10. पदमावत	:	वासुदेवशरण अग्रवाल
11. अष्टछाप और बल्लभ–सम्प्रदाय	:	डॉ0 दीनदयालु गुप्त
12. सूरदास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
13. सूर का काव्यवैभव	:	डॉ0 मुंशीराम शर्मा
14. महाकवि सूरदास	:	आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी
15. सूर और उनका साहित्य	:	डॉ0 हरबंश लाल शर्मा
16. सूर का श्रृंगार वर्णन	:	डॉ0 रमाशंकर तिवारी
17. भ्रमरगीत सार (भूमिका)	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
18. तुलसी दर्शन	:	डॉ0 बलदेव प्रसाद मिश्र
19. रामकथा : उद्‌भव और विकास	:	डॉ0 कामिल बुल्के
20. तुलसीदास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
21. तुलसी काव्य मीमांसा	:	डॉ0 उदयभानु सिंह
22. तुलसीदास और उनका युग		डॉ0 राजपति दीक्षित
23. त्रिवेणी	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
24. तुलसीदास	:	माता प्रसाद गुप्त
25. हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : रीतिकाव्य – संग्रह

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

1. केशवदास : रामचन्द्रिका से चयनित 10 छन्द (आरम्भ से)
2. बिहारी : 'बिहारी–रत्नाकर' (सम्पादक : जगन्नाथदास 'रत्नाकर') से 20 दोहे (आरम्भ से)
3. घनानन्द : 'घनानन्द कवित्त' (सम्पादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र) से 10 पद (आरम्भ से)
4. गुरू गोविन्द सिंह – देहु शिवा वर मोहि इहे, वाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की

पाठ्यपुस्तक : रीतिकाव्य संग्रह
सम्पादक :
1. प्रो0 चितरंजन मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, दी0द0उ0, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2. प्रो0 दिनेश कशवाहा, आचार्य हिन्दीविभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा
4. डॉ0 रेखा श्रीवास्तव, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी पी0जी0 कालेज, फतेहपुर

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 रामकुमार वर्मा
2. बिहारी : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. हिन्दी काव्य में श्रृंगारपरम्परा और बिहारी : डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त
4. बिहारी का काव्य लालित्य : डॉ0 रमाशंकर तिवारी
5. बिहारी सतसई : जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
6. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 रामदेव शुक्ल
7. केशव का आचार्यत्व : डॉ0 विजयपाल सिंह
8. आचार्य केशवदास : डॉ0 हीरालाल दीक्षित
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं0) डॉ नगेन्द्र
11. गुरू गोविन्द सिंह और उनका काव्य : डॉ0 महीप सिंह

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य (निबन्ध एवं नाटक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित पाठ्यक्रम :
(क) निबन्ध
1. सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता
2. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी – महाकवि माध का प्रभात वर्णन
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – लोभ और प्रीति
4. डा0 हजारीप्रसाद द्विवेदी – कुटज
5. डॉ0 विद्यानिवास मिश्र – परम्परा बंधन नहीं
6. कुबेरनाथराय – गंधमादन

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध

सम्पादक :
1. प्रो0 सदानन्द शाही, आचार्य हिन्दी विभाग, बी0एच0यू0 वाराणसी।
2. प्रो0 अनिल राय, आचार्य, हिन्दी विभाग, दी0द0उ0, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

(ख) नाटक :
स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
अथवा
आधे–अधूरे : मोहन राकेश

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. निबन्ध : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ0 हरिहरनाथ द्विवेदी
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 जयचन्द्र राय
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
5. आचार्य शुक्ल : सन्दर्भ और दृष्टि : डॉ0 जगदीशनारायण 'पंकज'
6. लोक जागरण और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 रामविलास शर्मा
7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा
9. हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास : डॉ0 सोमनाथ गुप्त
10. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
11. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : डॉ0 जगदीशचन्द्र जोशी
12. हिन्दी में ललित निबन्ध : डॉ0 ललित व्यास

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

(क) उपन्यास :

गोदान – प्रेमचन्द

अथवा

मैला ऑचल – फणीश्वरनाथ रेणु

(ख) निर्धारित कहानीकार एवं उनकी कहानियां

1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद– गुण्डा
3. प्रेमचन्द – सद्‌गति
4. जैनेन्द्र कुमार – पत्नी
5. निर्मल वर्मा – परिन्दे
6. राजेन्द्र यादव – जहाँ लक्ष्मी कैद है
7. उषा प्रियंवदा – वापसी

पाठ्‌यपुस्तक का नाम : कथा दर्पण

सम्पादक :

1. प्रो0 सदानन्द शाही, आचार्य हिन्दी विभाग, बी0एच0यू0 वाराणसी
1. डा0 अनूप शुक्ल, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी पी0जी0 कालेज, फतेहपुर

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1.	प्रेमचन्द और उनका युग	: डॉ0 रामविलास शर्मा
2.	गोदान	: डॉ0 इन्द्रनाथमदान
3.	हिन्दी उपन्यास	: डॉ0 शिवनारायण श्रीवास्तव
4.	हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	: डॉ0 त्रिभुवन सिंह
5.	हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग	: डॉ0 त्रिभुवन सिंह
6.	गोदान : नया परिप्रेक्ष्य	: डॉ0 गोपाल राय
7.	गोदान : कुछ सन्दर्भ	: डॉ0 कमलेश कुमार गुप्ता
8.	हिन्दी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन	: डॉ0 ब्रम्हदेव शर्मा
9.	हिन्दी कहानी : रचना और प्रक्रिया	: डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव
10.	हिन्दी कहानी : उद्‌भव और विकास	: डॉ0 सुरेश सिन्हा
11.	हिन्दी कहानियों की शिल्पविधि का विकास	: डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल
12.	अपने अपने अज्ञेय	: ओम थानवी
13.	अज्ञेय	: (सं0) डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14.	हिन्दी के साहित्य निर्माताः अज्ञेय	: प्रभाकर माचवे
15.	शिखर से सागर तक	: डॉ0 रामकमल राय
16.	अज्ञेय एवं आधुनिक रचना की समस्या	: डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
17.	अज्ञेय : सौन्दर्य संधारणा	: डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्‌य विषय :
(क) भारतीय काव्यशास्त्र – भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, काव्य का स्वरूप, (काव्य–लक्षण), काव्य की आत्मा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य भेद (प्रकार), काव्य गुण, काव्य दोष, शब्द शक्ति । भारतीयकाव्य सिद्धान्त – रस के अवयव, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य सिद्धांत।
(ख) हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचक औरउनकी मान्यताएं : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र , डॉ0 रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, डॉ0 नामवर सिंह

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 कृष्णवल
2. भारतीय साहित्यशास्त्र : आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
4. भारतीयकाव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ0 नगेन्द्र
5. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
6. सिद्धांत औरअध्ययन : बाबू गुलाबराय
7. रस–मीमांसा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
8. काव्यशास्त्र विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
9. रस सिद्धांत और सौन्दर्यशास्त्र : डॉ0 निर्मला जैन
10. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र
11. काव्य रस : चिन्तन और आस्वाद : डॉ0 भगीरथ मिश्र
12. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ0 तारकनाथ बाली
14. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा
15. रस–सिद्धांत : डॉ0 नगेन्द्र
16. रीति और शैली : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
17. भारतीय काव्यशास्त्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी – आलोचना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
18. हिन्दी–आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल
19. हिन्दी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
20. हिन्दी आलोचना : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
21. आलोचक औरआलोचना : डॉ0 बच्चन सिंह
22. आलोचना के रचना पुरूष : (सं0) भारत यायावर
23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : मलयज
24. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना का अर्थ और अर्थ की आलोचना : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
25. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 शिवकुमार मिश्र
26. हिन्दी आलोचना के बीच शब्द : डॉ0 बच्चन सिंह

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :
(क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र
प्लेटो का काव्य – सिद्धांत : अनुकृति–सिद्धांत
अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ : अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत, त्रासदी–सिद्धांत ।
लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
टी0एस0 इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा

(ख) आधुनिक आलोचना के प्रमुख वाद : स्वच्छन्दतावाद, शास्त्रीयतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद,अस्तित्ववाद, संरचनावाद, विखण्डनवाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, साहित्य का समाजशास्त्र।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
3. प्लेटो के काव्य–सिद्धांत : डॉ0 निर्मला जैन
4. अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ0 नगेन्द्र
5. अस्तित्ववाद–कीर्केगार्द से कामू तक : योगेन्द्र साही
6. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद : डॉ0 सत्यदेव मिश्र
7. उदात्त के विषय में : डॉ0 निर्मला जैन
8. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी पर उसका प्रभाव : डॉ0 रविन्द्रसाहाय वर्मा
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ0 तारकनाथ बाली
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
11. नयी समीक्षा के प्रतिमान : (सं0) निर्मला जैन
12. उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम : बैजनाथ सिंघल
13. त्रासदी : डॉ0 हरद्वारी लाल शर्मा
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : भारतीय साहित्य का स्वरूप

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएं।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. प्रतिनिधि उपन्यास – गोरा (रवीन्द्रनाथ ठाकुर)
   संस्कार (यू0आर0 अनन्तमूर्ति)
   आग का दरिया (कुर्रतुल ऐन हैदर)
4. प्रतिनिधि नाटक – घासीराम कोतवाल (विजय तेन्दुलकर)
5. भारतीय साहित्य : चेतना के आयाम– राष्ट्रीयता, लोकतांत्रिक चेतना, धार्मिक चेतना, मूल्यबोध, परम्परा बोध और आधुनिकता।
6. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

पाठ्य पुस्तक का नाम : भारतीय साहित्य चुनी हुई रचनाएं

सम्पादक :

1. प्रो0 चितरंजन मिश्र, अध्यक्ष– हिन्दी विभाग, दी0द0उ0, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2. प्रो0 अनन्त मिश्र, हिन्दी विभाग, दी0द0उ0, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. भारतीय साहित्य : (सं0) डॉ0 नगेन्द्र
2. मराठी भाषा और साहित्य : डॉ0 राजकमल बोरा
3. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : डॉ0 के0 सच्चिदानन्दन
4. 'चयनम्' : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
5. भारतीय साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीकान्त पाण्डेय

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :

- साहित्येतिहास की अवधारणा।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा तथा मूल स्रोत।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन और नामकरण की समस्याएँ।
- आदिकाल–विविध नामकरण, मुख्य साहित्यिक प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।
- भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल) भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ, भक्तिकाल की विभिन्न काव्य धाराएँ – निर्गुण काव्यधारा : ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी धारा, सगुण काव्यधारा : कृष्णभक्ति धारा तथा रामभक्ति धारा और उनकी सामान्य प्रवृत्तियां। भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का वैशिष्ट्य।
- रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) नामकरण, रीतिकाल की विभिन्न धाराएँ – (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा) और उनकी प्रवृत्तियां, रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार व उनकी रचनाएँ।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : डॉ0 किशोरी लाल गुप्त
6. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : डॉ0 रामविलास शर्मा
7. हिन्दी साहित्य का अतीत : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
11. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्यात्मक इतिहास : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12. सरोज–सर्वेक्षण : डॉ0 किशोरी लाल गुप्त
13. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
14. हिन्दी साहित्य : एक परिचय : डॉ0 त्रिभुवन सिंह

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

पूर्णांक 100 | क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :

- आधुनिक काल – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- आधुनिक काल के प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रमुख रचनाओं का परिचय।
- हिन्दी–गद्य की प्रमुख विधाओं (निबन्ध, कहानी,उपन्यास, नाटक) तथा गद्य की विविध नवीन विधाओं–रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी, फीचर, साक्षात्कार, जीवनी, व्यंग्य आदि का परिचय।
- गद्य–साहित्य की विविध विधाओं के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।
- हिन्दी–आलोचना की समकालीन विमर्श – स्त्री विमर्श, दलित विमर्श तथा आदिवासी विमर्श

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल
3. हिन्दी का सामयिक साहित्य : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय
6. हिन्दी कथा साहित्य : गंगा प्रसाद पाण्डेय
7. नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
8. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ0 भोलानाथ
12. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : डॉ0 सुमन राजे
13. नारी शोषण : आइने और आयाम : आशारानी ब्होरा
14. स्त्री – उपेक्षिता : प्रभा खेतान
15. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार
16. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकि
17. दलित विमर्श की भूमिका : कँवल भारती
18. दलित साहित्य सन्दर्भ : केशव दत्त रूबाली
19. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय
20. स्त्रीमुक्ति संघर्ष और इतिहास : रमणिका गुप्ता
21. हिन्दी काव्य में दलित काव्यधारा : माताप्रसाद
22. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेन्द्र चौबे
23. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

पूर्णांक 100 | क्रेडिट–05

(अ) भाषा विज्ञान :

- भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग।
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
- भाषाओं का वर्गीकरण – पारिवारिक, आकृतिमूलक
- भाषा की परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप– भाषा, विभाषा, बोली, उपबोली, लोक भाषा।
- ध्वनि विज्ञान (स्वन विज्ञान) – उच्चारण–अवयव (वागवयव) ध्वनि–वर्गीकरण, ध्वनि–परिवर्तन कारण और दिशाएँ, ध्वनि–विश्लेषण
- रूप विज्ञान, रूप–परिवर्तन
- अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन कारण और दिशाएँ
- वाक्य विज्ञान–वाक्य–परिवर्तन, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य –संरचना और भेद

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ0 बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
5. भारत का भाषा – सर्वेक्षण : डॉ0 ग्रियर्सन
6. भाषा विज्ञान शब्द कोष : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
8. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 मोती लाल गुप्त
9. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ0 सरयू प्रसाद अग्रवाल
10. भाषा विज्ञान और मानक हिन्दी : डॉ0 नरेश मिश्र
11. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 रामदरश राय
12. अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी : भाषा एवं लिपि

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

खण्ड (क) हिन्दी भाषा

- हिन्दी भाषा : उद्‌भव–विकास, क्षेत्र, विविध बोलियाँ
- हिन्दी शब्द–समूह (हिन्दी की शब्द–सम्पदा) तत्सम, तद्‌भव, आगत एवं देशज शब्दावली
- हिन्दी के व्याकरणिक अवयव–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण, अव्यय, उपसर्ग, परसर्ग (कारक), प्रत्यय, लिंग, वचन।

खण्ड (ख) देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि : उद्‌भव और विकास।
- देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता एवं विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि : त्रुटियाँ और सुधार के उपाय, मानकीकरण

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
2. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
3. हिन्दी : उद्‌भव और विकास : डॉ0 हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा : उद्‌भव और विकास : डॉ0 उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
6. हिन्दी भाषा : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया
7. हिन्दी भाषा : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
8. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : डॉ0 नरेश मिश्र
10. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : लक्ष्मीकान्त वर्मा
11. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12. हिन्दी की शब्द सम्पदा : डॉ0 विद्यानिवास मिश्र
13. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 रामदरश राय
14. हिन्दी शब्दानुशासन : डॉ0 किशोरीदास बाजपेयी
15. हिन्दी व्याकरण : कान्ता प्रसाद गुप्त
16. सामान्य हिन्दी : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
17. हिन्दी भाषा और व्याकरण : वासुदेवनन्दन प्रसाद

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' – नवम सर्ग का द्वितीय भाग
2. जयशंकर प्रसाद : 'कामायनी' – चिन्ता सर्ग
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : दो कविताएँ – राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
4. सुमित्रानन्दन पन्त : तीन कविताएँ – नौका विहार, भारतमाता, ताज

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा, प्राचार्य, हेमवती नन्दन बहुगुण पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़।
2. डॉ0 राजेश मल्ल, हिन्दी विभाग, जवाहर लाल नेहरू स्मा0 पी0जी0 कालेज, बाराबंकी।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
2. हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय
3. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह
5. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह
6. छायावाद : विश्लेषण और मूल्यांकन : डॉ0 दीनानाथशरण
7. छायावादी कवि और काव्य : डॉ0 श्रीदेवी खरे
8. छायावादी कवियों का सौन्दर्य–विधान : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
9. छायावाद का काव्य–शिल्प : डॉ0 प्रतिमा कृष्णबल
10. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 कुमार विमल
11. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ0 कमलाकान्त पाठक
12. साकेत : रूप – स्वरूप : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
13. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता : डॉ0 उमाकान्त
14. खड़ी बोली के उत्कर्ष में मैथिलीशरण गुप्त का योगदान : डॉ0 सहदेव शर्मा
15. साकेत : एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र
16. प्रसाद का काव्य : डॉ0 प्रेम शंकर

17. जयशंकरप्रसाद : वस्तु और कला : डॉ0 रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
18. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
19. कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्यन : डॉ0 सुरेन्द्र दुबे
20. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ0 नगेन्द्र
21. भारतीय महाकाव्यों की परम्परा में कामायनी : डॉ0 विद्या टोपा
22. जयशंकर प्रसाद : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
23. महाप्राण निराला : डॉ0 गंगा प्रसाद पाण्डेय
24. निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा
25. विश्व – कवि निराला : डॉ0 बुद्धसेन नीहार
26. क्रान्तिकारी कवि निराला : डॉ0 बच्चन सिंह
27. कवि निराला : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
28. निराला : आत्महंता आस्था : डॉ0 दूधनाथ सिंह
29. निराला : डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव
30. प्रसाद, निराला और अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
31. सुमित्रानन्दन पन्त : (सं0) सदानन्द प्रसाद गुप्त
32. सुमित्रानन्दन पन्त : डॉ0 नगेन्द्र
33. ज्योति–विहग : शान्तिप्रिय द्विवेदी
34. पन्त का काव्य : डॉ0 प्रेमलता बाफना
35. सुमित्रानन्दन पन्तः जीवन और साहित्य : डॉ0शान्ति जोशी
36. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : डॉ0 रामधारी सिंह 'दिनकर'
37. त्रयी : आचार्य जानकीबल्लभ शास्त्री
38. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
39. साकेत : एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज
न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित कवि और काव्य :

1.	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	:	'आसाध्य वीणा' कविता
2.	गजानन माधव मुक्तिबोध	:	'अंधेरे में' कविता
3.	नागार्जुन	:	बादल को घिरते देखा है, पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने, बहुत दिनों के बाद
4.	सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'	:	लोहे का स्वाद, मोचीराम

पाठ्यपुस्तक : छायावादोत्तर काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा, प्राचार्य, हेमवती नन्दन बहुगुणा पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़।
3. प्रो0 अनिल राय, हिन्दी विभाग, दी0द0उ0 गोरखपुर वि0वि0, गोरखपुर।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1.	कविता के नये प्रतिमान	: डॉ0 नामवर सिंह
2.	चालीसोत्तर हिन्दी कविता के हीरक हस्ताक्षर	: डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, डा0 मधु खन्ना
		: डॉ0 इला सुकुमार
3.	अज्ञेय : व्यक्तित्व विभास	: डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा
4.	अज्ञेय कवि	: डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
5.	अज्ञेय की कविता	: डॉ0 चन्द्रकान्त वान्दिवडेकर
6.	अज्ञेय सृजन और सन्दर्भ	: डॉ0 सावित्री मिश्र
7.	अज्ञेय : चेतना के सीमान्त	: डॉ0 ज्वाला प्रसाद खेतान
8.	अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन	: डॉ0 केदारनाथ शर्मा
9.	पंत सहचर	: अशोक वाजपेयी
10.	मुक्तिबोध	: डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11.	मुक्तिबोध : विचारक, कवि और कथाकार	: डॉ0 सुरेन्द्र प्रताप
12.	मुक्तिबोध	: डॉ0 लक्ष्मणदत्त गौतम
13.	मुक्तिबोध की काव्य कला	: डॉ0 अचला तिवारी
14.	मुक्तिबोध :युगचेतना और अभिव्यक्ति	: डॉ0 आलोक गुप्त
15.	आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध	: डॉ0 हंसराज त्रिपाठी
16.	अज्ञेय कवि	: डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
17.	कवियों का कवि शमशेर	: रंजना अरगड़े
18.	नागार्जुन की काव्ययात्रा	: डॉ0 रतनकुमार पाण्डेय
19.	फिलहाल	: अशोक वाजपेयी
20.	डॉ0 धर्मवीर भारती : व्यक्ति और साहित्यकार	: पुष्पा भास्कर

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : विशेष अध्ययन
(विशेष : निम्नलिखित में से मात्र किसी एक का विशेष अध्ययन अपेक्षित है।)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

कबीर–ग्रन्थावली : सम्पादक – डॉ0 श्यामसुन्दर दास
(सम्पूर्ण साखी भाग तथा प्रारंभिक 50 पद)
सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. निगुर्ण काव्यधारा : डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
2. उत्तरी भारत की सन्त–परम्परा : डॉ0 परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर–ग्रन्थावली (भूमिका मात्र) : डॉ0 माता प्रसाद गुप्त
4. कबीर का रहस्यवाद : डॉ0 रामकुमार वर्मा
5. कबीर – साहित्य–चिन्तन : पं0 परशुराम चतुर्वेदी
6. कबीर और कबीर पन्थ : डॉ0 केदारनाथ द्विवेदी
7. हिन्दी सन्त साहित्य : डॉ0 त्रिलोकीनारायण दीक्षित
8. हिन्दी सन्तकाव्य में प्रतीक विधान : डॉ0 देवेन्द्र आर्य
9. कबीर काव्य की परख : पं0 परशुराम चतुर्वेदी
10. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. सन्त साहित्य के प्रेरणा स्रोत : पं0 परशुराम चतुर्वेदी
12. कबीर एण्ड दि कबीर पन्थ : डब्ल्यू0 एच0 वेस्टकॉट
13. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
14. कबीर कोश : डॉ0 परशुराम चतुर्वेदी
15. कबीर मीमांसा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
16. सन्त साहित्य : डॉ0 प्रेमनारायण शुक्ल
17. कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धांत : डॉ0 सरनाथ सिंह शर्मा
18. कबीर तथा गांधी के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 रामजीलाल सहायक
19. कबीर–ग्रन्थावली की भाषा : डॉ0 विन्दुमाधव
20. कबीर और जायसी : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा

अथवा

2. मलिक मुहम्मद जायसी

जायसी–ग्रन्थावली : सम्पादक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. जायसी ग्रन्थावली (भूमिका) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. पद्मावत (भूमिका) : डॉ0 वासुदेवशरण अग्रवाल
3. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान : पं0 परशुराम चतुर्वेदी
4. तसव्वुफ अथवा सूफीमत : पं0 चन्द्रबली पाण्डेय
5. हिन्दी – प्रेमाख्यान : डॉ0 हरिकान्त श्रीवास्तव
6. जायसी : डॉ0 रामपूजन तिवारी
7. पदमावत संजीवनी भाष्य : डॉ0 वासुदेवशरण अग्रवाल
8. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका : डॉ0 रामपूजन तिवारी
9. हिन्दी प्रेमाख्यान : डॉ0 कमल कुलश्रेष्ठ
10. सूफीमत और हिन्दी साहित्य : डॉ0 विमलकुमार जैन
11. कबीर और जायसी : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12. हिन्दी सूफीकाव्य का समग्र अनुशीलन : डॉ0 शिवसहाय पाठक
13. जायसी : डॉ0 विजयदेवनारायण शाही
14. पद्मावत का काव्य सौन्दर्य : डॉ0 शिवसहाय पाठक
15. जायसी के परवर्ती कवि और काव्य : डॉ0 सरला शुक्ल
16. पद्मावत का काव्य–सौन्दर्य : डॉ0 जगदीश सहाय

17. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान : डॉ0 श्याममनोहर पाण्डेय

अथवा

3. सूरदास

'सूरसागर' (भाग 1 तथा 2) नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. अष्टछाप और वल्लभ–सम्प्रदाय : डॉ0 दीनदयाल गुप्त
2. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
4. सूर और उनका साहित्य : डॉ0 हरबंशलाल शर्मा
5. भारतीय साधना और सूर साहित्य : डॉ0 मुंशीराम शर्मा
6. सूरदास : डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
7. सूर की काव्यकला : डॉ0 मनमोहन गौतम
8. सूर–साहित्य : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. सूर–निर्णय : डॉ0 प्रभुदयाल मीतल
10. सूर की काव्य–साधना : डॉ0 गोविन्दराम शर्मा
11. श्रीमद्भागवत और सूरसागर : वर्ण्य विषय का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 वेदप्रकाश शास्त्री
12. सूर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ0 वेदप्रकाश आर्य
13. सूर का श्रृंगार–वर्णन : डॉ0 रमाशंकर तिवारी
14. सूर की काव्य–माधुरी : डॉ0 रमाशंकर तिवारी
15. सूर–काव्य–मीमांसा : डॉ0 हौसिला प्रसाद सिंह
16. सूर–काव्य–विमर्श : डॉ0 राधिका प्रसाद त्रिपाठी
17. सूर : सन्दर्भ और समीक्षा : डॉ0 त्रिभुवन सिंह
18. सूरसाहित्य में पुष्टिमार्गीय सेवा–भावना : डॉ0 धर्मनारायण ओझा

अथवा

4. तुलसीदास

तुलसी–ग्रंथावली : नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण
(व्याख्या–केवल रामचरितमानस, विनयपत्रिका और कवितावली से)

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसी और उनका काव्य : पं0 रामनरेश त्रिपाठी
3. तुलसी और उनका युग : डॉ0 राजपति दीक्षित
4. तुलसी का काव्य दर्शन : डॉ0 चन्द्रभूषण तिवारी
5. रामकथा : उद्भव और विकास : डॉ0 कामिल बुल्के
6. तुलसीदास : डॉ0 माता प्रसाद गुप्त
7. मानस की रामकथा : पं0 परशुराम चतुर्वेदी
8. तुलसी दर्शन : डॉ0 बलदेव प्रसाद मिश्र
9. तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ0 उदयभानु सिंह
10. तुलसी दर्शन मीमांसा : डॉ0 उदयभानु सिंह
11. तुलसी के काव्य में नैतिक मूल्य : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा
12. रामकाव्य–परम्परा : अनुसंधान और अनुशीलन : डॉ0 भगवती प्रसाद सिंह
13. राम–भक्ति में रसिक सम्प्रदाय : डॉ0 भगवती प्रसाद सिंह
14. तुलसी : सन्दर्भ और समीक्षा : डॉ0 केशव प्रसाद सिंह
15. तुलसीदास की भाषा : डॉ0 देवकी नन्दन श्रीवास्तव
16. तुलसी–मानस : आस्था का अर्थ : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित

17. तुलसी–तितीर्षा : डॉ0 रामशंकर त्रिपाठी
18. रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र
19. मानस में रीति–तत्व : डॉ0 बैजनाथ सिंह
20. रामचरितमानस में अलंकार योजना : डॉ0 वचनदेव कुमार
21. रामचरितमानस में भक्ति : डॉ0 सत्यनारायण शर्मा

अथवा

5. हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यविषय :

खण्ड–(क)

- पत्रकारिता की अवधारणा, पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार, पत्रकारिता के उद्देश्य, पत्रकारिता के मूल तत्व।
- सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धांत, सम्पादक के गुण, सम्पादकीय का महत्व।
- भेंटवार्ता और फीचर लेखन के प्रकार तथा उनकी प्रविधि
- रिपोर्टिंग और सम्पादन की प्रक्रिया तथा विविध प्रकार।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया, इलेक्ट्रानिक माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता।
- सूचना तथा कानून :
  (क) प्रसार भारती
  (ख) श्रमजीवी पत्रकार कानून
  (ग) प्रेस कमीशन
  (घ) प्रेस स्वतंत्रता सम्बंधी अद्यतन कानून
  (ड़) प्रेस–सम्बंधी आचार संहिता

खण्ड–(ख)

- हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास
- हिन्दी के प्रमुख पत्र : उदंत मार्तण्ड, कवि वचनसुधा, हिन्दी प्रदीप,ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, हंस, मतवाला, धर्मयुग तथा दिनमान
  प्रमुख सम्पादक – युगल किशोर सुकुल, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बालकृष्ण भट्ट, प्रतापनारायण मिश्र, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, बालकृष्ण भट्ट, बालमुकुन्द गुप्त, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, अज्ञेय, धर्मवीर भारती तथा रघुवीर सहाय।
- हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता।
- हिन्दी पत्रकारिता के वर्तमान सन्दर्भ, प्रवृत्तियाँ और समस्याएँ।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 कृष्णबिहारी मिश्र
2. पत्रकारिता के विविध रूप : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
3. समकालीन पत्रकारिता : (सं0) राजकिशोर
4. हिन्दी पत्रकारिता के युग निर्माता : डॉ0 लक्ष्मीशंकर व्यास
5. पत्रकारिता के विविध सन्दर्भ : डॉ0 वंशीधर लाल
6. भारत में प्रेस कानून और पत्रकारिता : गंगा प्रसाद ठाकुर
7. हिन्दी पत्रकारिता, विविध आयाम : डॉ0 वेदप्रताप वैदिक
8. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास : डॉ0 अर्जुन तिवारी
9. इतिहास निर्माता पत्रकार : डॉ0 अर्जुन तिवारी
10. हिन्दी पत्रकारिता : आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रमेश कुमार जैन
11. प्रेस विधि : डॉ0 नन्दकिशोर त्रिखा
12. समाचार संकलन तथा सम्पादन : डॉ0 रमेश जैन
13. समाचार पत्र और सम्पादन कला : अम्बिका प्रसाद बाजपेयी
14. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : निबन्ध : साहित्यिक / साहित्येतर

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

इकाई–1
- निबन्ध क्या है ? भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण
- निबंध – उद्भव और विकास
- निबंध और अन्य गद्य विधाएं
- निबंध का विषय क्षेत्र : साहित्यिक एवं साहित्येतर
- निबंध की शैलीगत संरचना

इकाई–2
- हिन्दी के विभिन्न साहित्यिक आंदोलन, विचारधाराएँ और साहित्य
- मानव मूल्य और साहित्य
- साहित्य और संस्कृति
- साहित्य की सार्वभौमिकता और हिन्दी साहित्य
- समकालीन सामाजिक अस्मिताएँ और हिन्दी साहित्य

इकाई–3
- भारत की आंतरिक व बाहरी समस्याएँ : पर्यावरण प्रदूषण, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिकता, सामाजिक एवं आर्थिक विषमता आदि।
- वैश्वीकरण और हिन्दी
- राष्ट्रभाषा और राजभाषा हिन्दी
- हिन्दी और आधुनिक जनसंचार माध्यम

इकाई–4
- मीडिया और समाज
- भारतीय राजनीति और लोकतंत्र
- भारतीय विविधता और राष्ट्रीय एकता
- भारत का वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास

इकाई–5
- सभ्यताओं के इतिहास में भारतीय सभ्यता
- भारतीय मीडिया और लोकतंत्र
- जैव विविधता का संरक्षण और भारतीय अर्थव्यवस्था
- अस्मिता की राजनीति और भारतीय लोकतंत्र

संदर्भ पुस्तकें :
हिन्दी के साहित्यिक निबंध – गणपति चंद्र गुप्त
इतिहास और राष्ट्रवाद – वैभव सिंह
राष्ट्रवाद बनाम देशभक्ति : इयत्ता की राजनीति और रवीन्द्रनाथ टैगोर – आशीष नंदी, अनुवाद – अभय कुमार दुबे
ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ – सुधा सिंह
पत्रिकाएं
आलोचना, तद्भव, प्रतिमान, बहुवचन, पहल